भजन

तर्ज....अब के न सावन बरसे

पिया सुनो दिल की ये बत्तियाँ
हो.. तेरी विरहिन इश्क बिन तलफे

1) जाने कब आऐ दिन वो दिन आऐ,पिया परआतम में उठ जाये
सुख परआतम के पाए हों,रूहों का आनन्द वो मिल जायें

2) अब न मोहे कुछ तेरे बिन सुहाऐ, तेरी प्रीत रीत पिया भाए
तेरी ये प्रीत मोहे भाए रे, वो ही तेरी प्रीत मैं पाऊँ

3.) देखूँ पिया मेरे अपने मन में,सूरत तेरी मेरे नैनन में
नैनों नैन मिलाऊँ हो, हर एक अदा में तुझको रिझाऊं